



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 20 मई, 2026

जारी करने का समय: 1430 घंटे

विषय: (i) इस सप्ताह उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में तथा अगले 5 दिनों तक पूर्वी भारत में ऊष्ण लहर से भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

(ii) इस सप्ताह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तथा 21 से 26 मई, 2026 के दौरान उत्तर-पूर्व और उससे सटे पूर्वी भारत में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (अनुलग्नक I):

- ❖ मानसून की उत्तरी सीमा 6°N/70°E, 6°N/75°E, 7°N/80°E, 9°N/85°E, 12°N/90°E, 14°N/93°E, 16°N/96°E और 17.5°N/98°E से होकर गुजरती है।
- ❖ अगले 3-4 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर के शेष भागों और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और भागों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं।

आज, 20 मई, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ तमिलनाडु में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ तेलंगाना और उत्तराखंड में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि की सूचना मिली है।
- ❖ उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यानम में 80-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी और तूफानी हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश हुई; हरियाणा, सौराष्ट्र, कच्छ, ओडिशा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 50-65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, केरल और माहे में छिटपुट स्थानों पर 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश के छिटपुट इलाकों में लू से लेकर भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही; पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में; जम्मू डिवीजन, मध्य प्रदेश और विदर्भ के छिटपुट इलाकों में ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही।
- ❖ पूर्वी राजस्थान और ओडिशा के छिटपुट स्थानों पर गर्म रातें रहीं।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ दिन का तापमान/अधिकतम तापमान (19-05-2026 तक): कल, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, पश्चिम, मध्य और उससे सटे पूर्वी और उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर उत्तर-पश्चिमी भारत में अधिकतम तापमान 40-47°C के बीच रहा। बांदा (उत्तर प्रदेश) में उच्चतम अधिकतम तापमान 48.2°C दर्ज किया गया।
- ❖ दिन का तापमान/अधिकतम तापमान में अंतर (19-05-2026 तक): कल, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली के कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक)

रहा; हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पंजाब, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ के कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1 से 5.0°C) रहा। पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश, गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल, गुजरात क्षेत्र, ओडिशा, उत्तराखंड, पश्चिमी राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा; झारखंड में कई स्थानों पर; सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ स्थानों पर; असम और मेघालय, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, कोंकण और गोवा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तेलंगाना में कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से कम/सामान्य के आसपास रहा; और देश के शेष भागों में तापमान सामान्य से कम/सामान्य के आसपास रहा।

- ❖ 20-05-2026 तक रात का तापमान/न्यूनतम तापमान जम्मू-कश्मीर में कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) था। उत्तर-पश्चिम भारत और उत्तर-पूर्व भारत, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मराठवाड़ा, विदर्भ, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा में कई स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, जबकि देश के शेष भागों में तापमान सामान्य से कम या सामान्य के आसपास रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक II एवं III देखें):

- ❖ पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे जम्मू डिवीजन के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण के रूप में निचले क्षोभमंडल में बना हुआ है।
- ❖ पंजाब और उससे सटे पाकिस्तान के ऊपर निचले क्षोभमंडल में एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ उत्तरी उत्तर प्रदेश के मध्य भागों के ऊपर निचले क्षोभमंडल में एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ उपरोक्त चक्रवाती परिसंचरण से उत्पन्न एक गर्त उत्तरी उत्तर प्रदेश के मध्य भागों से लेकर उत्तरी तेलंगाना तक निचले क्षोभमंडल में फैला हुआ है।
- ❖ पश्चिमी बिहार और उसके आसपास के क्षेत्रों के ऊपर निचले क्षोभमंडल में एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ पूर्वी बांग्लादेश और उसके आसपास के क्षेत्रों के ऊपर निचले क्षोभमंडल में एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश के ऊपर निचले क्षोभमंडल में एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ दक्षिण-पूर्वी अरब सागर से लेकर मध्य बंगाल की खाड़ी तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक गर्त (ट्रफ) फैला हुआ है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडलीय स्तर में पछुआ हवाओं में एक गर्त के रूप में दिखाई देने वाला एक अन्य पश्चिमी विक्षोभ लगभग 52° पूर्व देशांतर के अनुदिश 30° उत्तर अक्षांश के उत्तर में स्थित है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 23 और 24 मई को असम और मेघालय में, तथा 20 और 21 मई को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 22, 25 और 26 मई को अरुणाचल प्रदेश में, 21, 22 और 26 मई को असम और मेघालय में, तथा 22 से 26 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट भारी बारिश की संभावना है। साथ ही, 23 और 24 मई को अरुणाचल प्रदेश में और 23 से 25 मई के दौरान असम और मेघालय में छिटपुट बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- ❖ 20 और 21 मई को असम और मेघालय में गरज के साथ हल्की से मध्यम बिजली गिरने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 20 से 24 मई के दौरान, केरल, माहे और लक्षद्वीप में 20 से 22 मई के दौरान, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 24 मई को, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 22 से 24 मई के दौरान, और रायलसीमा और तेलंगाना में 20 और 21 मई को गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 20 से 23 मई के दौरान, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 20 और 21 मई को, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 20 से 24 मई के दौरान, और रायलसीमा में 22 से 24 मई के दौरान गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ तमिलनाडु में 20 से 22 मई के दौरान, केरल और माहे, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 20 और 21 मई को; लक्षद्वीप में 20 मई को छिटपुट भारी वर्षा होने की भी संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 20 से 26 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, और 20 से 24 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 21 से 23 मई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 20 से 26 मई के दौरान बिहार में, 21 से 26 मई के दौरान झारखंड में, और 22 से 24 मई के दौरान ओडिशा में, छिटपुट रूप से हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है, साथ ही गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ भी वर्षा हो सकती है।
- ❖ 20 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 22 मई को बिहार में, 20, 23 और 24 मई को झारखंड में, और 20 और 21 मई को ओडिशा में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 20-22 मई और 25 और 26 मई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 21, 25 और 26 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी वर्षा की संभावना है; 23 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 22 और 24 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर में 20 से 22 मई के दौरान, हिमाचल प्रदेश में 21 और 23 मई को, और उत्तराखंड में 22 और 23 मई को छिटपुट से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर में 21 मई को आंधी (50-60 किमी प्रति घंटा की गति से 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 20 और 21 मई को कोंकण, गोवा और मध्य महाराष्ट्र में तथा 20 मई को मराठवाड़ा में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ महाराष्ट्र में 21 मई तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक गिरावट आने की संभावना है और 22 से 26 मई के दौरान इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 26 मई 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

ऊष्ण लहर, गर्म रातें, गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कई इलाकों में 20 और 21 मई तथा 24 से 26 मई के दौरान भीषण ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ विदर्भ के कुछ इलाकों में 20 से 23 मई के दौरान, पंजाब में 22 और 23 मई के दौरान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 20 से 26 मई के दौरान और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 20 से 23 मई के दौरान भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में 20 से 25 मई के दौरान, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 24 से 26 मई के दौरान भीषण ऊष्ण लहर; मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में 26 मई के दौरान, विदर्भ में 24 से 26 मई के दौरान, छत्तीसगढ़ में 20 से 24 मई के दौरान, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, तेलंगाना और ओडिशा में; बिहार में 20 से 23 मई तक, राजस्थान में 20 से 26 मई तक ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में 20 मई को, उत्तराखंड में 20 और 21 मई को कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ ओडिशा में 20 से 24 मई तक, उत्तर प्रदेश में 21 और 22 मई को, और विदर्भ में 20 और 21 मई को कुछ इलाकों में गर्म रातें रहने की प्रबल संभावना है।
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 20 से 23 मई तक, और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और ओडिशा में 20 से 24 मई तक गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है।

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 20 मई से 23 मई, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- ❖ **मछुआरों को निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:**
- ❖ **बंगाल की खाड़ी:** 20 मई को मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र से सटे क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में; 21 मई को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में; 22 मई को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में; 23 मई को दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में; 24 मई को दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में; 20 से 25 मई तक मन्नार की खाड़ी और कोमोरिन क्षेत्र से सटे क्षेत्र में; 20 से 23 मई तक अंडमान सागर में न जाने की सलाह दी जाती है।
- ❖ **अरब सागर:** 20 मई को केरल और कर्नाटक के तटों के साथ-साथ, लक्षद्वीप क्षेत्र, मालदीव से सटे क्षेत्र और कोमोरिन क्षेत्रों में। केरल के तट के साथ-साथ और उससे दूर, लक्षद्वीप क्षेत्र में, मालदीव से सटे क्षेत्रों में, कोमोरिन क्षेत्र में 21 मई को, सोमालिया के तट के साथ-साथ और उससे दूर, और 20 से 25 मई के दौरान दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कई हिस्सों में न जाने की सलाह दी जाती है।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 20 से 23 मई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी: वरणातपल्ली (7)

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

- ❖ हरियाणा: सोनीपत 61
- ❖ सौराष्ट्रकच्छ: भचाऊ अम्फुकच्छ 57
- ❖ ओडिशा: मयूरभंज 56
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: आगराॉक्स54, हमीरपुराॉक्स43, जी.बी. नगराॉक्स43, बुलन्दशहराॉक्स 39, मथुराक्स 39, एग्रेफ 37
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम 50
- ❖ झारखंड: सरायकेला 50
- ❖ हिमाचल प्रदेश: सेओबाग अम्फू48
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: शहादा नंदुरबार 44, बारामती पुणे 41, कलवन नासिक 37, सोलापुर 37
- ❖ केरल और माहे: पलक्कड़ 44, एर्नाकुलम 41।
- ❖ गुजरात क्षेत्र: अरनेजाहमद 43
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: गंगासागर 37
- ❖ उत्तराखंड: मुक्तेश्वर 39, रानीचौरी 39, चमोली 37, पंतनगर 37, कोसियाकुटोली 37, चंपावत 33, काशीपुर 33, जौलीग्रंट 31
- ❖ पंजाब: होशियारपुर 39
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: कानपुरदेहाताॉक्स 39, बहराईचाॉक्स 39
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: अशोकनगर 37, सीहोर 37, गुना 35, आगर 33
- ❖ कोंकण और गोवा: कर्जत रायगढ़ 37, दापोली रत्नागिरी 28
- ❖ मराठवाड़ा: टोंडापुर हिंगोली 35, अंबेजोगाई बीड 30,
- ❖ बिहार: सुखेत 35
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: सतना 31, सागर 30, शहडोल 30
- ❖ छत्तीसगढ़: रायपुर 31, जांजगीर 31, बलरामपुर 31

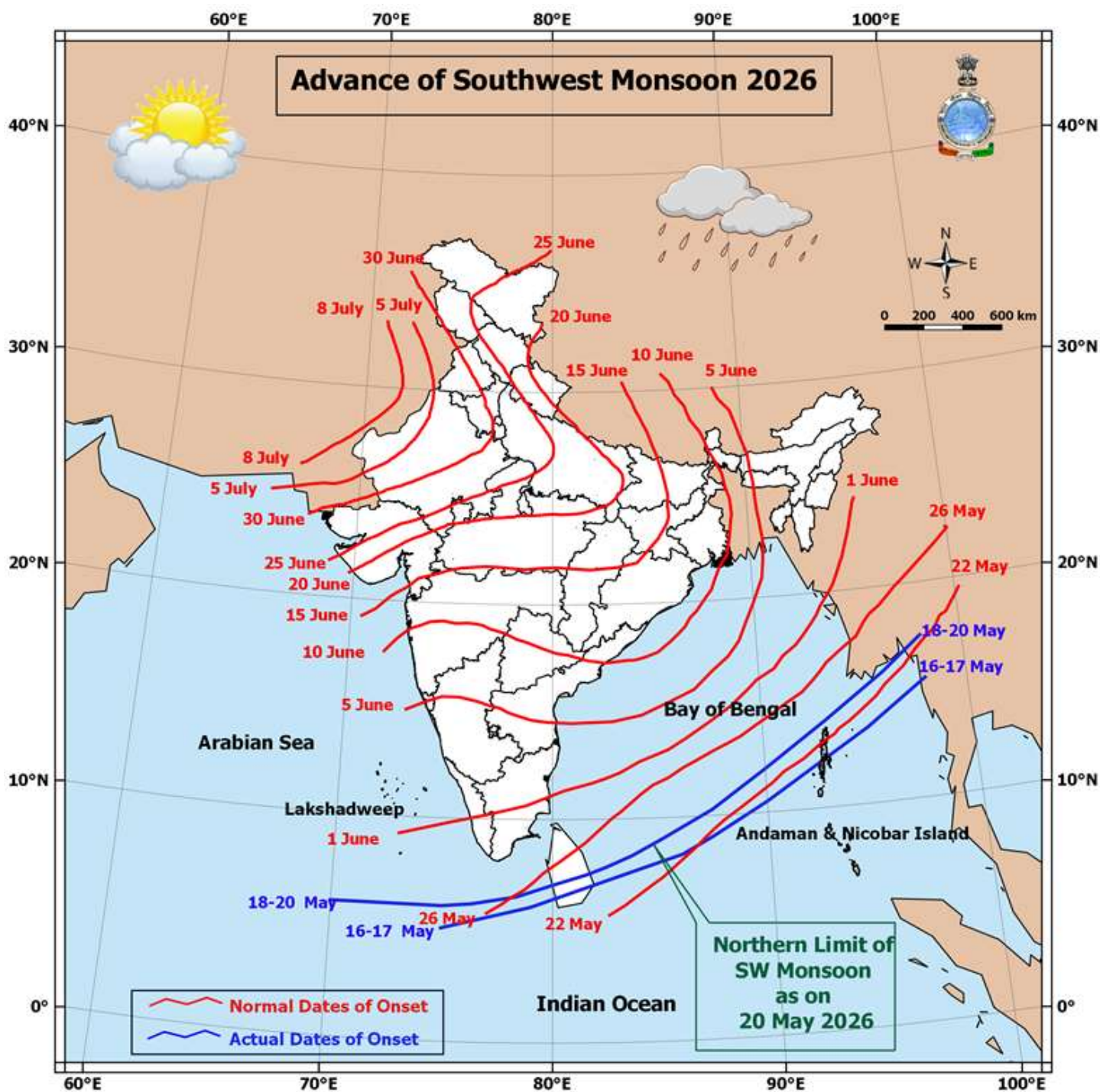
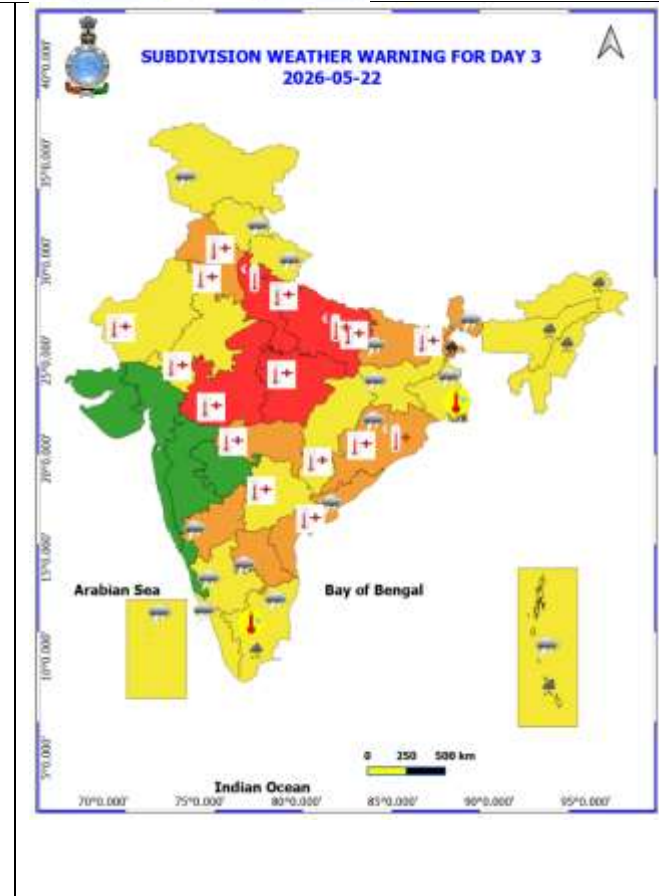
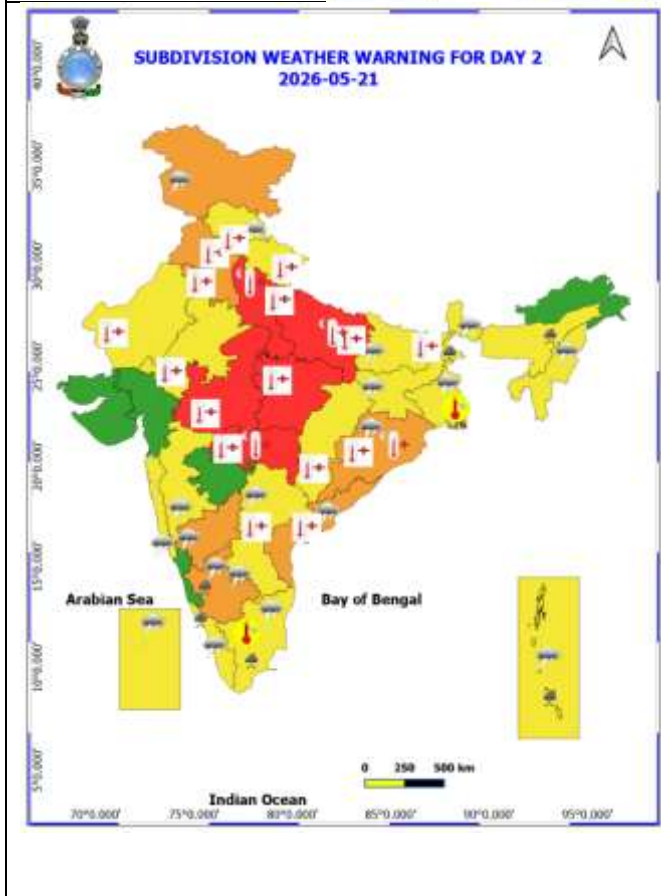
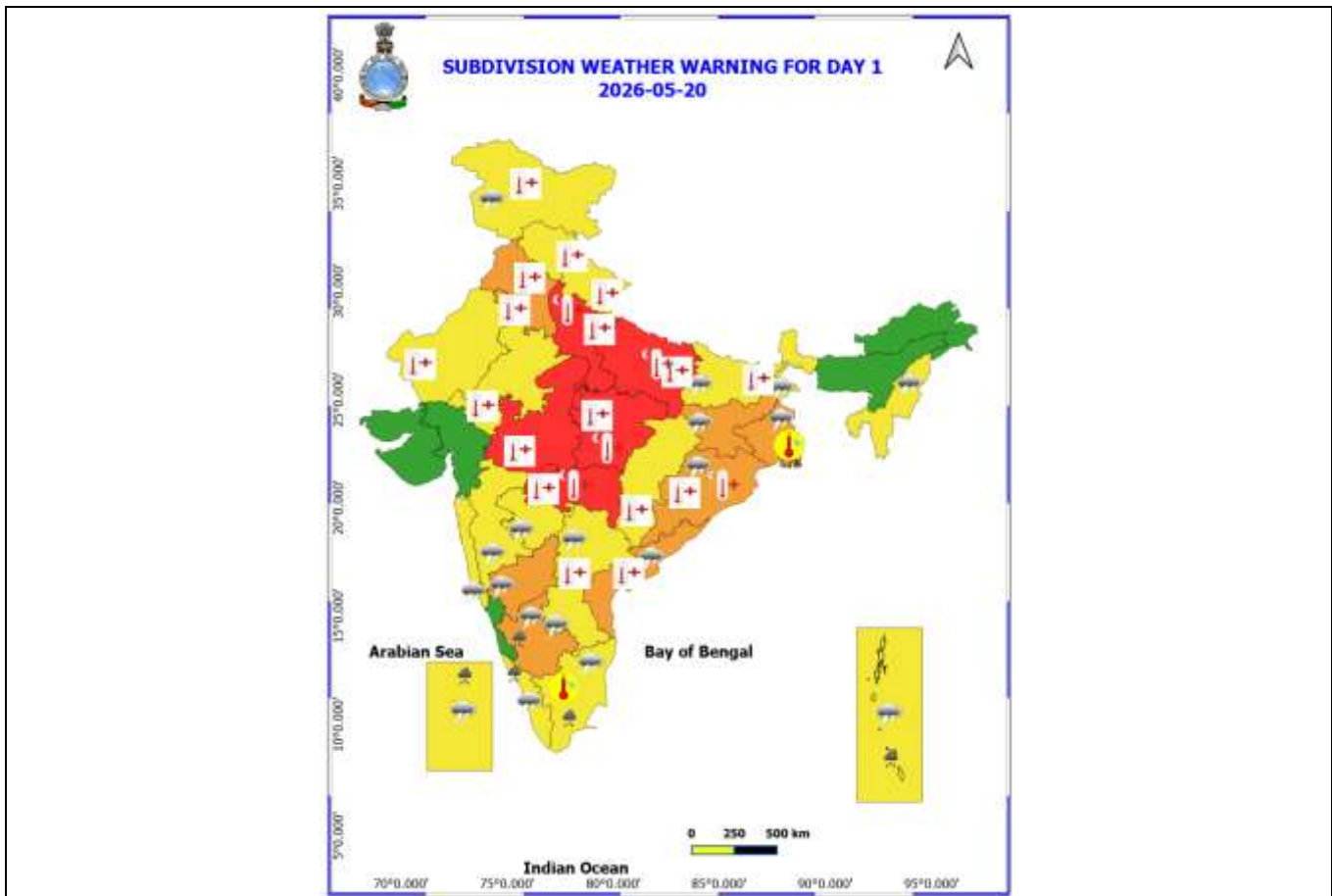
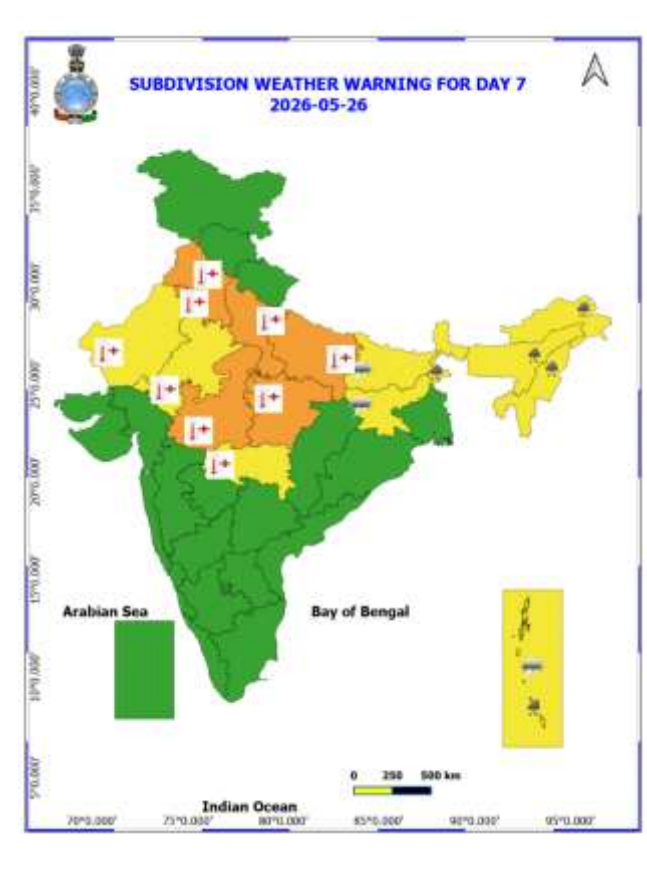
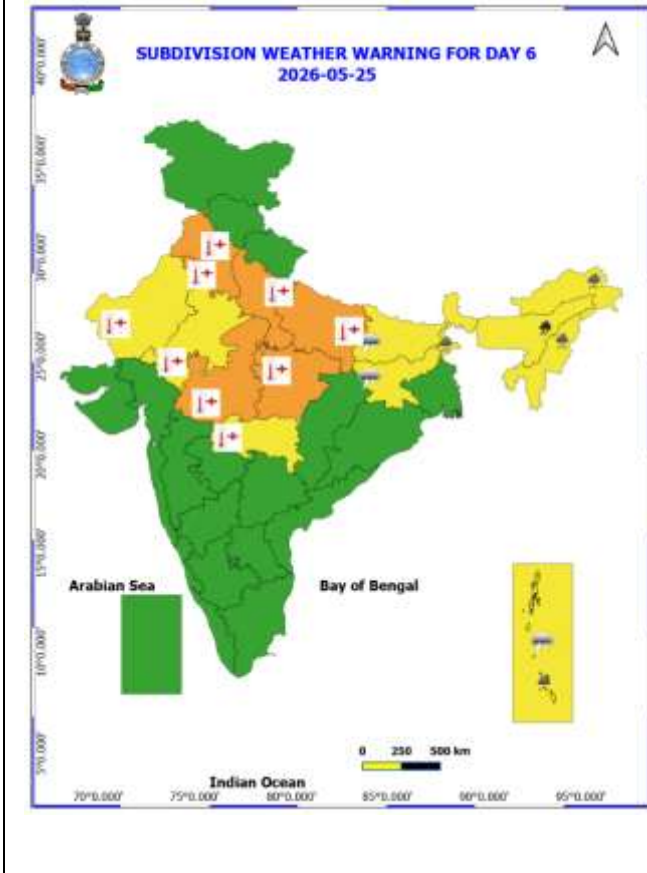
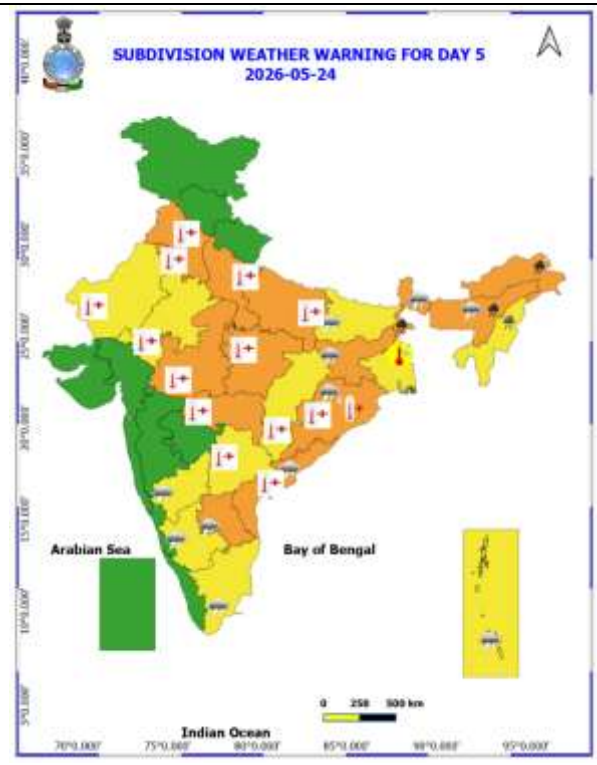
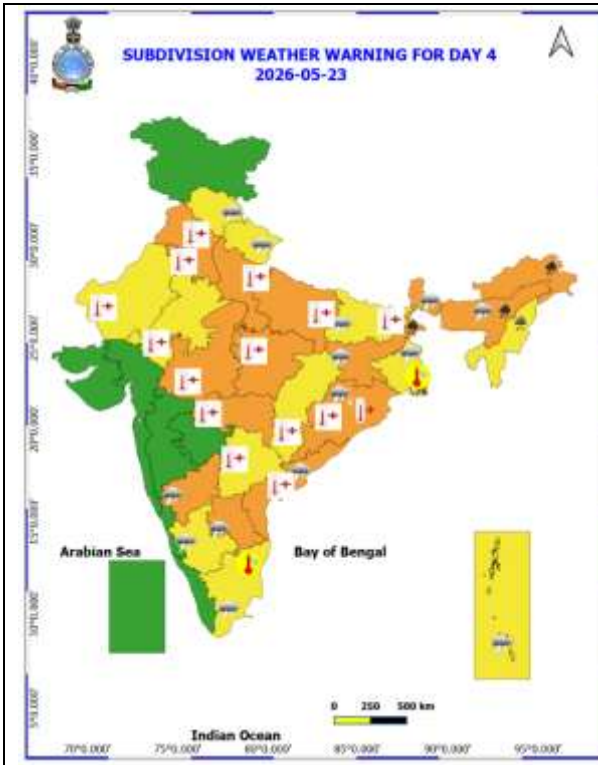


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	20- May	21- May	22- May	23- May	24- May	25- May	26- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	SCT	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
9	BIHAR	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
29	TELANGANA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

20 मई से 23 मई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1-2°C की बढ़ोतरी हुई है और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 45-47°C और न्यूनतम तापमान क्रमशः 27-29°C की सीमा में दर्ज किया गया। दिल्ली में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और शेष स्थानों पर सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली में कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) और शेष हिस्सों में सामान्य से उल्लेखनीय रूप से अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में मुख्य रूप से आसमान साफ रहा और पश्चिमी हवाएं चलीं, जिनकी गति 20 kmph थी और झोंकों के साथ 33 kmph तक पहुंच गई। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में मुख्य रूप से आसमान साफ रहने और पश्चिमी दिशा से सतह पर हवा की गति 20 kmph तक रहने की संभावना है।

मौसम पूर्वानुमान:

20.05.2026: मुख्य रूप से आसमान साफ रहेगा। कई स्थानों पर लू (Heat wave) की स्थिति रहेगी और कुछ अलग-अलग स्थानों पर भीषण लू की स्थिति रहेगी। दिल्ली में अधिकतम तापमान 45°C से 47°C की सीमा में रहने की संभावना है। दोपहर के समय सतह पर मुख्य रूप से पश्चिमी दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 kmph तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर पश्चिमी दिशा से 22 kmph तक हो जाएगी।

21.05.2026: मुख्य रूप से आसमान साफ रहेगा। कई स्थानों पर लू की स्थिति रहेगी और कुछ अलग-अलग स्थानों पर भीषण लू की स्थिति रहेगी। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज़ हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 15-25 kmph तक रहेगी और कभी-कभी झोंकों के साथ 35 kmph तक पहुंच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 45°C से 47°C और 27°C से 29°C की सीमा में रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (5.1°C या उससे ज्यादा) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी रफ्तार सुबह के समय 20 kmph तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ्तार बढ़कर पश्चिम दिशा से 22 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की रफ्तार बढ़कर पश्चिम दिशा से 25 kmph तक हो जाएगी।

22.05.2026: आसमान ज्यादातर साफ रहेगा। कुछ जगहों पर लू चलने की स्थिति रहेगी। दिन के समय सतह पर लगातार तेज़ हवाएँ चलेंगी, जिनकी रफ्तार 15-25 kmph तक पहुँच सकती है और कभी-कभी झोंकों के साथ 35 kmph तक हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 45°C से 47°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (5.1°C या उससे ज्यादा) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी रफ्तार सुबह के समय 20 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ्तार बढ़कर पश्चिम दिशा से 25 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की रफ्तार बढ़कर पश्चिम दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी।

23.05.2026: आसमान ज्यादातर साफ रहेगा। कुछ जगहों पर लू चलने की स्थिति रहेगी। दिन के समय सतह पर लगातार तेज़ हवाएँ चलेंगी, जिनकी रफ्तार 20-30 kmph तक पहुँच सकती है और कभी-कभी झोंकों के साथ 40 kmph तक हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 44°C से 46°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (5.1°C या उससे ज्यादा) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पश्चिम दिशा से आने की

संभावना है, और सुबह के समय हवा की रफ्तार 20 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ्तार बढ़कर पश्चिम दिशा से 25 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की रफ्तार बढ़कर पश्चिम दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी।

लू की स्थिति के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

चेतावनी: लू की स्थिति की संभावना है; हालाँकि, तापमान सामान्य से ज़्यादा रहने की संभावना है। स्वास्थ्य को मध्यम स्तर का जोखिम हो सकता है, खासकर कमज़ोर समूहों जैसे कि शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए।

सलाह: ज़्यादा देर तक गर्मी में रहने से बचें। हल्के वज़न वाले, हल्के रंग के और ढीले सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय अपने सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकें।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 20 से 23 मई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, 20 और 21 मई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, 20 से 24 मई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, 22 से 24 मई के दौरान रायलसीमा, 20 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, 22 मई को बिहार, 20, 23 और 24 मई को झारखंड, 20 और 21 मई को ओडिशा और 21 मई को जम्मू-कश्मीर में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी/ बहुत भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 22, 25 और 26 तारीख को, असम और मेघालय में 21, 22 और 26 तारीख को, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 22 से 26 तारीख के दौरान, तमिलनाडु में 20 से 22 तारीख के दौरान, केरल और माहे, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 20 और 21 तारीख को, लक्षद्वीप में 20 तारीख को, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 20 से 22 तारीख और 25 और 26 तारीख के दौरान, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 21, 25 और 26 मई को, और कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 23 मई

को कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा हो सकती है; अरुणाचल प्रदेश में 23 और 24 तारीख को, और असम और मेघालय में 23 से 25 तारीख के दौरान कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा हो सकती है। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 22 और 24 मई को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

ऊष्ण लहर/ भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ इस सप्ताह के दौरान उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में लू से लेकर भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

रेड अलर्ट क्षेत्र

- सभी आयु वर्ग के लोगों में लू लगने और हीट स्ट्रोक होने की अत्यधिक संभावना है।
- संवेदनशील लोगों के लिए विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

ऑरेंज अलर्ट क्षेत्र

- उच्च तापमान और लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में लू लगने के लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।
- संवेदनशील लोगों, जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं हैं
- गर्मी से बचें - शरीर को ठंडा रखें। निर्जलीकरण से बचें।
- पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस, घर के बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

येलो अलर्ट क्षेत्र

- सामान्य जनता के लिए मध्यम तापमान और गर्मी सहनीय है, लेकिन संवेदनशील लोगों, जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए मध्यम स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हैं।
- धूप से बचें।
- हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाते का इस्तेमाल करें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** में नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और क्यारियों के आसपास पानी जमा होने से रोकथाम करें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में चावल, मक्का, सरसों और आलू की पूरी कटाई। खड़ी फसलों में जल निकासी का उचित प्रबंध रखें।
- **केरलम** में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- **तमिलनाडु** में, उड़द, हरी मूंग, गन्ना और अन्य सब्जियों की खेती में जल संचय को रोकने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें।
- **लक्षद्वीप**, सिंचाई, अंतरसांस्कृतिक संचालन और खड़ी फसलों में पौध संरक्षण उपायों और उर्वरकों के प्रयोग को स्थगित करें। जलभराव को रोकने के लिए खड़ी फसल वाले खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक** में, धान के खेतों, सुपारी और आम के बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **जम्मू और कश्मीर** - खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें; फलों के पौधों को अधिक तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।
- **उत्तराखंड में:** सूरजमुखी, चारा मक्का, टमाटर, बैंगन आदि में सिंचाई प्रदान करें।
- **पंजाब** में सब्जियों, मूंग के बागों और प्याज की नर्सरियों में हल्की और नियमित सिंचाई करें।
- **हरियाणा** में गन्ने, कपास और ग्रीष्मकालीन चारा फसलों में पर्याप्त सिंचाई बनाए रखें। धान की नर्सरी की तैयारी पूरी करें और सुनिश्चित सिंचाई सुविधाओं का प्रबंध करें तथा नई बोई गई फसलों में जल संकट को कम करने के लिए मल्लिचंग/नमी संरक्षण पद्धतियों को अपनाएं।
- **उत्तर प्रदेश** में, मक्का, मूंग, काली मूंग, गन्ना, सूरजमुखी, सब्जियां और आम, केला और पपीता जैसे फलों की खड़ी फसलों के लिए नियमित सिंचाई और मल्लिचंग करें।
- **राजस्थान** में मूंग, लौकी, कद्दू, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। वाष्पीकरण से जल हानि को कम करने के लिए मिट्टी की मल्लिचंग/पुआल/पॉलीथीन से मल्लिचंग करें।
- **बिहार** - खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी की नमी के नुकसान को कम करने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पॉलीथीन से मल्लिचंग करें। फलों के पौधों को अधिक तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।
- **ओडिशा में** - बोरो धान, ग्रीष्मकालीन मक्का, हरा चना, काला चना, मूंगफली और सब्जी के खेतों में हल्की सिंचाई प्रदान करें। सुनिश्चित करें कि आम और काजू की फसलों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे।
- **मध्य प्रदेश** में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।

- **महाराष्ट्र - विदर्भ** में, सब्जियों और फलों के बागों को सुबह या शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई दें; पौधों के विकास के महत्वपूर्ण चरणों के दौरान सिंचाई की आवृत्ति बढ़ा दें। गन्ने, गर्मियों की मूंगफली, सब्जियों और फलों के बागों को आवश्यकतानुसार सिंचाई दें; सब्जियों और फलों के बागों में जैविक या पुआल की मलच का उपयोग करें; केले के गुच्छों को पत्तों से ढकें; और नए लगाए गए केले के बागों में शेड नेट का उपयोग करें।
- **तेलंगाना में** - आवश्यकतानुसार आम के बागों और सब्जियों की फसलों को सिंचाई प्रदान करें।
- **तटीय आंध्र प्रदेश क्षेत्रों** में गर्म और आर्द्र परिस्थितियों का सामना करने वाले क्षेत्रों में, मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए ग्रीष्मकालीन फसलों और सब्जियों में हल्की सिंचाई करें।
- खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी को बनाए रखने के लिए मलचिंग करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तटीय राज्यों (विशेषकर तमिलनाडु, केरल और लक्षद्वीप) के मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी जाती है।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

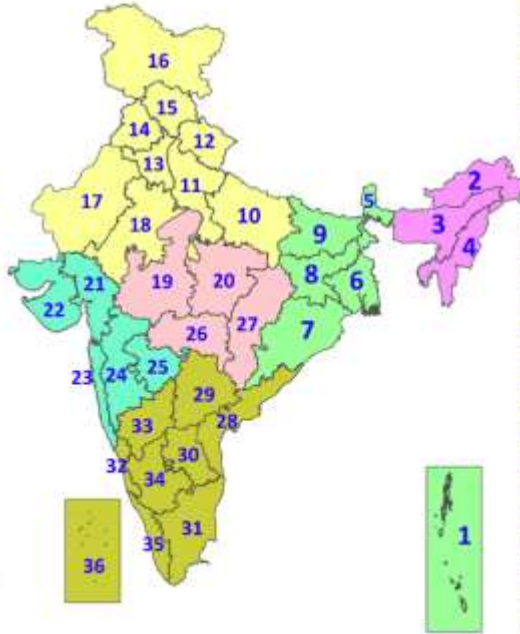
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $>4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $>6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed >87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)